

राजस्थानी साहित्य : तृतीय वर्ष परीक्षा, 2013

इस परीक्षा में 100-100 अंकों के दो प्रश्न पत्र होंगे।

प्रथम प्रश्न पत्र : राजस्थानी भाषा और साहित्य का इतिहास एवं निबन्ध

पाठ्य पुस्तकें

इकाई – प्रथम

20 अंक

1. राजस्थानी भाषा की उत्पत्ति, उद्भव एवं विकास

इकाई – द्वितीय

2. राजस्थानी भाषा की बोलियां और उनका क्षेत्रफल

इकाई – तृतीय

3. राजस्थानी साहित्य के प्रारम्भकाल एवं मध्यकाल से सम्बन्धित प्रश्न (काल, प्रवृत्ति, प्रमुख कृतिकार एवं कृतियां)

इकाई – चतुर्थ

4. राजस्थानी साहित्य के उत्तरकाल से सम्बन्धित प्रश्न

इकाई – पंचम

5. राजस्थानी भाषा में निबंध लेखन (राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति से सम्बन्धित)

उक्त पांचों इकाईयां तीन खण्डों में विभक्त होंगी, जिनमें, निम्न प्रकार अंकों का विभाजन रहेगा।

खण्ड 'अ'

इसमें दस वस्तुनिष्ठ लघुतरात्मक प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से दो प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। ये दस प्रश्न विकल्प रहित होंगे। प्रत्येक प्रश्न का लघुत्तर लगभग 20 शब्दों में होगा।

(अंक 10)

खण्ड 'ब'

इस भाग में पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जायेंगे। कुल दस प्रश्न होंगे। जिनके विकल्प भी इसी इकाई से होंगे। प्रत्येक प्रश्न दस अंकों का होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दिया जा सकता है।

(अंक 50)

खण्ड 'स'

इस भाग में चार विवेचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न बीस अंक का होगा। इन प्रश्नों में एक प्रश्न के दो भाग भी हो सकते हैं।

(अंक 40)

टिप्पणी :- प्रत्येक इकाई पर आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

संदर्भ :-

1. राजस्थानी भाषा और साहित्य : डॉ. मोतीलाल मेनारिया
2. राजस्थानी भाषा और उसकी बोलिया : सम्पादक डॉ. देव कोठारी
3. राजस्थानी साहित्य की समीक्षा : सम्पादक डॉ. मनोहर शर्मा